BSES

## ऊर्जा मंत्री ने जनता को समर्पित किया बीआरपीएल का नया ग्रिड

# डेढ़ लाख लोगों की बिजली आपूर्ति बेहतर बनाएगा बीआरपीएल का जीआईएस ग्रिड

नई दिल्लीः 5 मार्च, 2017। बिजली की बढ़ती मांग को ध्यान में रखते हुए बीआरपीएल भविष्य की जरूरतों के हिसाब से साउथ दिल्ली के मीठापुर इलाके में 66/11 केवी का एक ग्रिड बना रही है। मई, 2017 तक इस ग्रिड का काम पूरा हो जाएगा, जिससे तेजी से विकसित हो रहे इस इलाके के 1.5 लाख लोगों को फायदा होगा और उनकी बिजली आपूर्ति में और अधिक सुधार आएगा।

आने वाले दिनों में यह ग्रिड साउथ दिल्ली के मोलड़बंद, मीठापुर, सौरभ विहार, जैतपुर और खड्डा कॉलोनी जैसे क्षेत्रों में विश्वसनीय बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। ग्रिड के इसी महत्व को देखते हुए, दिल्ली के माननीय ऊर्जा मंत्री श्री सत्येन्द्र जैन ने आज, जल्द ही बनकर तैयार होने जा रहे इस ग्रिड का का दौरा किया और उसे दिल्ली की जनता को समर्पित किया। इस मौके पर माननीय विधायक श्री नारायण दत्त शर्मा और दिल्ली सरकार के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। बीआरपीएल सीईओ श्री अमल सिन्हा के नेतृत्व में डिस्कॉम की टीम वहां मौजूद थी।

ग्रिड का दौरा करने के लिए ऊर्जा मंत्री का धन्यवाद करते हुए, बीआरपीएल सीईओ श्री अमल सिन्हा ने कहा– इस क्षेत्र का वर्तमान लोड करीब 80 एमवीए है और फिलहाल मोहन कोऑपरेटिव और सरिता विहार स्थित बीआरपीएल के ग्रिडों से यहां बिजली की आपूर्ति की जा रही है। 50 करोड़ रूपये की लागत से इस ग्रिड को तैयार किया जा रहा है, जिससे इस इलाकी की बिजली वितरण क्षमता में और 50 एमवीए की बढ़ोतरी होगी। इसके साथ ही, क्षेत्र की वितरण क्षमता 155 एमवीए हो जाएगी। इतनी वितरण क्षमता, इस इलाके के वर्तमान और भविष्य के लोड को पूरा करने में सक्षम होगी।

श्री सिन्हा के मुताबिक, इस ग्रिड में अत्याधुनिक तकनीक और उपकरणों को प्रयोग किया जा रहा है। सीमेन्स लिमिटेड इंडिया इस ग्रिड के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। यह बीआरपीएल का पहला ग्रिड होगा, जिसमें गैस इंसुलेटेड स्विचगियर यानी जीआईएस सब–स्टेशन का इस्तेमाल हो रहा है। यह एक जर्मन तकनीक है, लेकिन भारत में ही इसे विकसित किया जा रहा है। इस तकनीक का सबसे बड़ा फायदा यह होगा कि यह ग्रिड विश्वसनीय बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करेगी और इसे कम रख–रखाव की जरूरत होगी। यह मानवरहित ग्रिड स्काडा यानी सुपरवाइजरी कंट्रोल एंड डेटा एक्विजिशन से नियंत्रित होगा। इस ग्रिड स्टेशन से दिल्ली जल बोर्ड के पंपिंग स्टेशन को भी बिजली मिलेगी, जिससे इलाके में बिजली के साथ–साथ पानी की भी बेहतर आपूर्ति होगी।

जगह की कमी को ध्यान में रखते हुए, उपलब्ध स्पेस का पूरा उपयोग किया गया है। यह ग्रिड सिर्फ 1500 वर्ग मीटर जगह में बनाया जा रहा है। यह बीएसईएस का सबसे छोटा और सबसे तेज गति से बनने वाला ग्रिड स्टेशन होगा। क्षेत्र के निवासियों को तो इस ग्रिड से फायदा होगा ही, साथ ही इससे डिस्कॉम को लॉस कम करने में भी मदद मिलेगी।

*प्रमुख बिजली वितरण कंवनियां बीआरपीएल और बीवाईपीएल, रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार के बीच संयुक्त उद्यम हैं।*